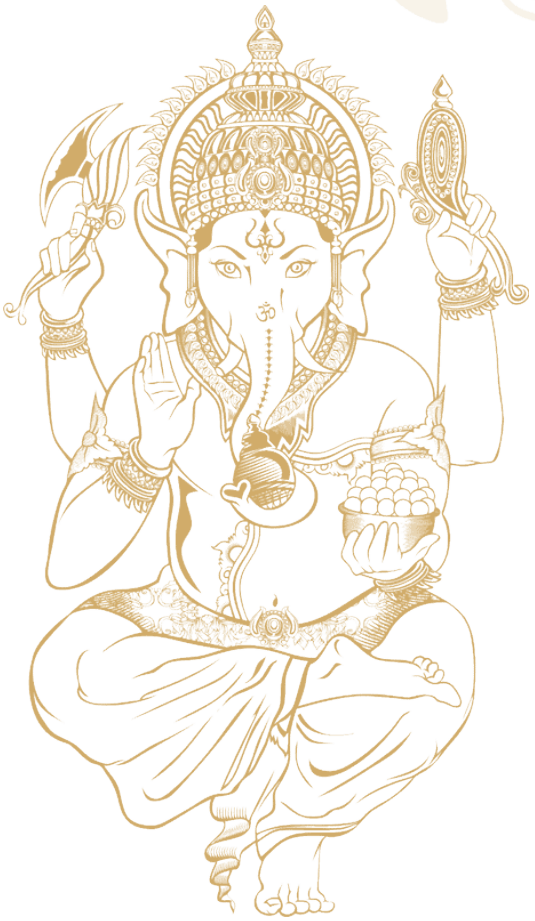

Nishant Divya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121234407

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/08/1991	जन्म तिथि	19-20/04/1993
मंगलवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 17:50:00	जन्म समय	03:40:00 घंटे
घटी 31:18:04	जन्म समय(घटी)	55:47:29 घटी
India	देश	India
Pusa	स्थान	Jamshedpur
25:59:00 उत्तर	अक्षांश	22:47:00 उत्तर
85:40:00 पूर्व	रेखांश	86:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:12:40	स्थानिक संस्कार	00:14:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:18:46	सूर्योदय	05:22:01
18:26:08	सूर्यास्त	18:07:06
23:44:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 8वर्ष 3मा 14दि		17:03:20	मक	लग्न	मीन	01:51:36	शनि 5वर्ष 0मा 2दि	
गुरु		26:31:17	कर्क	सूर्य	मेष	06:05:01	शुक्र	
27/11/2024		12:16:45	कन्या	चंद्र	मीन	13:09:14	22/04/2022	
27/11/2040		24:18:11	सिंह	मंगल	कर्क	02:29:33	22/04/2042	
गुरु	15/01/2027	10:48:16	सिंह व	बुध	मीन	12:23:00	शुक्र	22/08/2025
शनि	28/07/2029	29:48:04	कर्क	गुरु व	कन्या	13:31:10	सूर्य	22/08/2026
बुध	03/11/2031	10:45:30	सिंह व	शुक्र व	मीन	10:06:54	चन्द्र	22/04/2028
केतु	09/10/2032	08:29:40	मक व	शनि	कुंभ	04:29:25	मंगल	22/06/2029
शुक्र	10/06/2035	24:48:20	धनु व	राहु व	वृश्चि	19:11:55	राहु	21/06/2032
सूर्य	28/03/2036	24:48:20	मिथु व	केतु व	वृष	19:11:55	गुरु	20/02/2035
चन्द्र	28/07/2037	16:37:50	धनु व	हर्ष	धनु	28:24:22	शनि	22/04/2038
मंगल	04/07/2038	20:43:40	धनु व	नेप	धनु	27:22:57	बुध	20/02/2041
राहु	27/11/2040	23:53:14	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	01:02:29	केतु	22/04/2042

लग्न-चलित

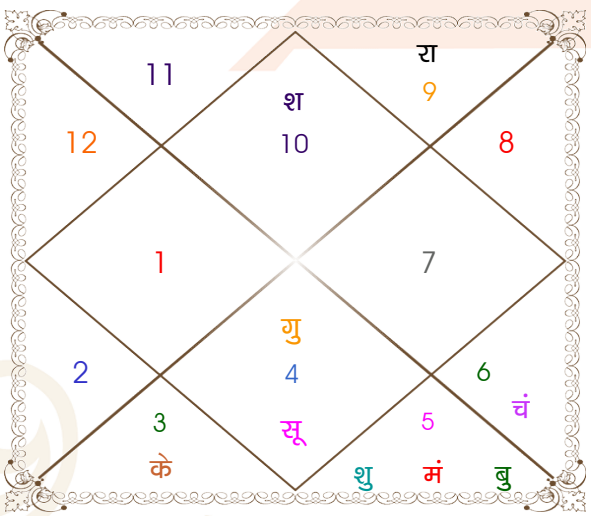

लग्न-चलित

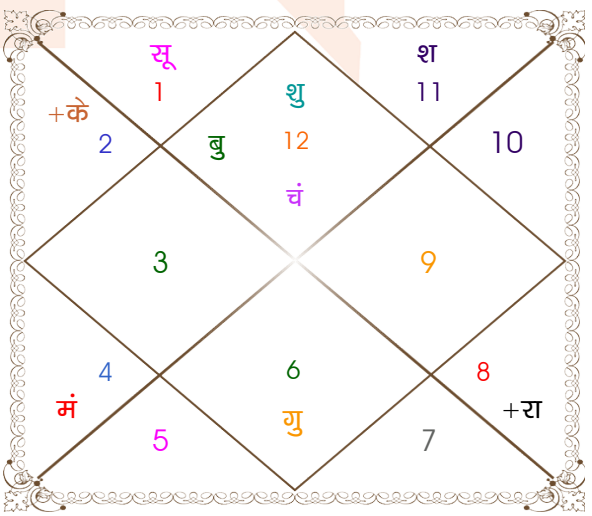

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Nishant का वर्ग मूषक है तथा Divya का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nishant और Divya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Nishant मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Divya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nishant तथा Divya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।